

[The question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No of Question Paper : 4532

Your Roll No.....

Unique Paper Code : 2131002005

Name of the Paper : Sanskrit B: (Intermediate) Administrative Structure in Kautilya's
Arthashastra

Name of the Course : Common Prog. Group, AEC

Semester : IV

Duration : 2 Hours

Maximum Marks : 60

Instructions for Candidates :

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न पत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. अर्थशास्त्र की विषयवस्तु का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(10)

Give a brief introduction to the subject matter of Arthashastra.

अथवा /or

सन्निधाता के कर्तव्यों की विवेचना कीजिए।

Discuss the duties of the Saanidhata.

2. कौटिल्य के दाय-विभाग को बताते हुए, उस पर स्वविचार प्रस्तुत करें।

(15)

Explaining the kautilya's 'Daya-vibhag', present your views on it.

अथवा/or

अर्थशास्त्र में वर्णित राज्य व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

Describe the state system described in Arthashastra.

3. कौटिल्य के आर्थिक विचारों की प्रासंगिकता बताइए।

(15)

Explain the relevance of kautilya's economic ideas.

अथवा / or

अर्थशास्त्र के अनुसार सीताध्यक्ष के कर्तव्यों का विवेचन कीजिए।

Discuss the duties of a Sitadhyksha according to Arthashastra.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।

(10x2= 20)

Write short notes on any two of the following:

दण्डपारुष्य (Dandparushya)

समाहर्ता (Samaharta)

अर्थशास्त्र के प्रणेता (Founder of Arthashastra)

वैशाल्यकारी राज्य की अवधारणा (Concept of Welfare State.)